भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †5886

सोमवार, 30 मार्च, 2026/9 चैत्र, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

सालासर बालाजी मंदिर, चूरू को 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत सम्मिलित करना

†5886. श्री राहुल कस्वां:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि चूरू स्थित सालासर बालाजी मंदिर में प्रतिवर्ष चैत्र और अश्विन पूर्णिमा के मेलों के दौरान छह से सात लाख श्रद्धालु आते हैं और यह सालासर-खाटू श्यामजी-रानी सती दादी तीर्थयात्रा परिपथ का हिस्सा है;

(ख) क्या उक्त मंदिर को 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान' (प्रसाद) योजना के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है और क्या सरकार का इसे सम्मिलित करने का विचार है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या चूरू की शेखावाटी भित्ति चित्र हवेलियां, जिनमें 1,111 दरवाजों वाली सुराणा हवेली और सेठानी का जोहरा बावड़ी सम्मिलित हैं, राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन के अंतर्गत सूचीबद्ध हैं;

(घ) क्या चूरू में 719 हेक्टेयर में फैले ताल छापर कृष्णमृग अभयारण्य को 'स्वदेश दर्शन 2.0' के अंतर्गत विकसित किया गया है; और

(ङ) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान चूरू जिले के लिए 'प्रसाद', 'स्वदेश दर्शन' और 'राज्यों को पूंजीगत निवेश के लिए विशेष सहायता' (एस.ए.एस.सी.आई.) के अंतर्गत वर्ष-वार कुल कितनी निधि आवंटित की गई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन स्थलों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय "तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) नामक अपनी योजना के तहत राजस्थान राज्य सहित पूरे देश में चिह्नित धार्मिक और विरासत स्थलों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह प्रक्रिया राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है।

'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) योजना के तहत सालासर बालाजी मंदिर के विकास को शामिल करने से संबंधित कोई प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय के

विचाराधीन नहीं है। हालांकि, पर्यटन संबंधी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्ताव प्राप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशानिर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और ऐसी परियोजनाओं के लिए निर्धारित शर्तों की पूर्ति और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

(ग): संस्कृति मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चुरू की 1,111 दरवाजों वाली सुराणा हवेली और सेठानी का जोहरा बावड़ी को राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) के तहत प्रलेखित किया गया है।

(घ) और (ङ): मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं जैसे- 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)' और 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास - सीबीडीडी' (स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत एक पहल) के तहत पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने हेतु देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को, योजना दिशा-निर्देशों और सरकारी निदेशों के अनुरूप, उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर और निधियों की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करता है। उपर्युक्त योजनाएं मार्च, 2026 तक स्वीकृत हैं। वर्तमान में, उपरोक्त योजनाओं के तहत चूरू जिले में पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। चूरू सहित राजस्थान राज्य में प्रशाद, एसडी और एसडी 2.0 योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 में 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' के तहत राजस्थान राज्य में 49.31 करोड़ रुपए की 'आमेर-नाहरगढ़ और जयपुर के आसपास के क्षेत्र में विकास' और 96.61 करोड़ रुपए की 'जयपुर में जल महल में विकास' नामक परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

*****

अनुबंध

श्री राहुल कस्वां द्वारा सालासर बालाजी मंदिर, चूरू को 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत सम्मिलित करने के संबंध में दिनांक 30.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †5886 के भाग (घ) और (ङ) के उत्तर में **विवरण**

राजस्थान राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजना का विवरण

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	32.64

राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन और स्वदेश दर्शन 2.0 योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र.सं.	**योजना**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	स्वदेश दर्शन 1.0	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	50.01
2.		गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास	75.80
3.		आध्यात्मिक परिपथ - 'चूरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोदके) बालाजी, घाटके बालाजी, बांधेके बालाजी)- विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कामा क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंद) - मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	87.05
4.		विरासत परिपथ राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले में अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-नीलोफर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास	70.61

5.	स्वदेश दर्शन 2.0	श्री खाटू श्याम जी मंदिर (सीकर) में विकास कार्य	87.87
6.		आध्यात्मिक अनुभव, केशवरायपाटन	21.65
7.		श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर में विकास कार्य	22.58
8.		मालासेरी डूंगरी, भीलवाड़ा जिला का विकास	48.73

*****